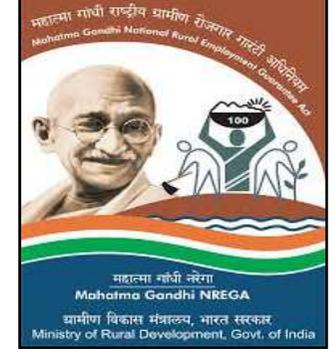




महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परियोजना के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ मेगा वाटरशेड परियोजना

विस्तृत परियोजना प्रस्ताव
(Detail Project Report)



माईक्रो वाटर शेड का नाम :- रोकेल माईक्रो वाटर शेड का कोड :- **4E1D9a**
ग्राम पंचायत :-बकुलाघाट ग्राम :- बकुलाघाट, रेड्डीपाल

हमारे सपनों को पूरा करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम

BRLF
Bharat Rural Livelihoods Foundation
An independent society set up by the Government of India to upscale
civil society action in partnership with Government

AXIS BANK FOUNDATION

प्रदान
PROFESSIONAL ASSISTANCE
FOR DEVELOPMENT ACTION

स
म
र्ष
न

हमारे माईक्रो वाटर शेड

स्थानीय भाषा में कोई भी गीत या कविता या गॉवो द्वारा तैयार गॉव के भविष्य के सपने पर कोई हाथ से चित्रित जोड़ा जा सकता है।

स्थानीय भाषा के द्वारा गोंडी गीत

- नानो ना नोली वायली नानों लो वया ।
- रववी नानोली उनीनी नालो नानोली वयाली ।
- पीटे पीटे कनेड़ पीटे कनेड़ बूलो वया नानोली ।
- पीटे कनेड़ पीटे कनेड़ बूलो वया नानोली ।
- नी मीयन नीमीयन बूलो वया नानोली दूया ।

सूची

भूमिका	5
अध्याय 1.....	6
1. वाटर शेड का परिचय	7
2. गाँव का इतिहास	8
अध्याय 2.....	9
1. भौगोलिक विवरण	10
2. नला और नदी का वर्णन	11
3. भूमि स्वरूप और इसके घटक	12
4. मौजूदा जल संसाधन विश्लेषण.....	13
अध्याय 3	14
1. जनसांख्यिकी	15
2. लोगो की जीवन और आजीविका.....	16
अध्याय 4	17
1. योजना प्रक्रिया	18
2. योजना का सारांश	19
3. सबसे Vulnerable Household के लिए योजना.....	20
अध्याय 5	21

1. इस कार्यक्रम से अपेक्षित परिणामों का वर्णन	22
अनुबंध	23

तालिकाओं की सूची

तालिका 1: नाला और नदी का वर्णन	7
तालिका 2: भूमि स्वरूप	8
तालिका 3: भूमि उपयोग	9
तालिका 4: फसल गहनता	10
तालिका 5: मौजूदा जल संसाधन विश्लेषण	11
तालिका 6: सिंचाई की वर्तमान स्थिति (भूजल स्रोत से)	12
तालिका 7: सिंचाई सुविधाओं की वर्तमान स्थिति (सतह के पानी से).....	13
तालिका 8: भूजल स्तर की स्थिति	14
तालिका 9: वर्षा	15
तालिका 10:जल बजट	16
तालिका 11:जनसांख्यिकी	17
तालिका 12:आजीविका मार्गों के प्रमुख विकल्प	18
तालिका 13:फसल कैलेण्डर	19

तालिका 14:मौसमी कैलेण्डर	20
तालिका 15:पशुधन का विवरण	21
तालिका 16:पलायन	22
तालिका 17:मनरेगा.....	23
तालिका 18:महिला संगठनों के बारे में	24
तालिका 19:कार्य योजना (व्यक्तिगत परिवार).....	25
तालिका 20:कार्य योजना (सामान्य भूमि)	26
तालिका 21:योजना का सारांश	27
तालिका 22:Vulnerable Household के लिए योजना	28
तालिका 23:अपेक्षित परिणाम	29

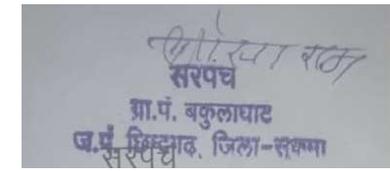
भूमिका
सरपंच और सचिव की कलम से



सरपंच और सचिव की कलम से :-

यह छत्तीसगढ़ मेगा वाटरशेड परियोजना रोकेल पंचायत के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए एक खास अवसर होगा। हम इस वाटरशेड विकास और प्रबंधन कार्यक्रम के माध्यम से हम अपने आजीविका एवं आय इस योजना से विकसित करने की आकांक्षा रखते हैं। वाटरशेड के माध्यम से गांव में निवास करने वाले ग्रामीण जन भविष्य में आत्म निर्भर बन पाएंगे। यह एकीकृत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से हम हमारे जल जंगल और जमीन को सन्तुलन कर पाएंगे। यह परियोजना उन सभी वर्ग के लोगो एवं किसानो के आर्थिक विकास के लिए मुस्कुराहट लाएंगे जो सामाजिक विषमता में अपना जीवन जीते हैं।

सौजन्य से



सचिव

ग्राम पंचायत बकुलाघाट
जनपद पंचायत छिन्दगढ़
जिला-सुकमा (छ.ग.)

सरपंच

ग्राम पंचायत बकुलाघाट
जनपद पंचायत छिन्दगढ़
जिला-सुकमा (छ.ग.)

अध्याय-01

- 1. वाटरशेड का परिचय:-** सुकमा जिले में तीनो विकासखण्डों में सुकमा, छिन्दगढ़, कोन्टा के प्राकृतिक सम्पदा को ध्यान में रखकर मेगावाटरशेड परियोजना के तहत जल, जंगल, जमीन के संरक्षण हेतु यह कार्य योजना छिन्दगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बकुलाघाट में चालू किया गया है। जिसमें नदी नाले का विस्तृत अध्ययन कर कार्य योजना तैयार किया गया है। बकुलाघाट मेगावाटरशेड के अन्तर्गत दो गांव बकुलाघाट और रेड्डीपाल से होकर गुजरने वाली फुलनदी जो कि दन्तेवाड़ा जिले के कटेकल्याण विकासखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों से प्रारंभ होकर शबरी नदी में जाकर मिलती है।

a) (भौगोलिक स्थिति अंक्षांश और देशान्तर) जीपी का नाम और नम्बर सम्मिलित करें।

बकुलाघाट का अक्षांश 18.552998 एवं देशांश 81.725246 पर स्थित हैं। माईक्रो वाटर शेड का कोड :- 4E1D9a

ग्राम पंचायत बकुलाघाट में दो ग्राम सम्मिलित है पहला ग्राम बकुलाघाट का भौगोलिक क्षेत्रफल 273.15 हेक्टेयर है क्षेत्र में वनक्षेत्र 20.598 वन भूमि है। ग्राम में 134.560 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि कार्य किया जाता है जिससे धान 159.213 हेक्टेयर में धान 7.965 हेक्टेयर में कुली 11.459

हेक्टेयर में उड़द 5.923 हेक्टेयर में अरहर की खेती किया जाता है। 75.259 हेक्टेयर में योग्य भूमि है जिसमें कृषि कार्य किया जा सकता है।
ग्राम में 4.500 हेक्टेयर भूमि रबी की फसल लिया जाता है।

रेड्डीपाल की कुल क्षेत्रफल 547.27 हेक्टेयर में उड़द कुल भूमि है जिसमें 301.752 हेक्टेयर में कृषि कार्य किया जाता है 281.730 हेक्टेयर में धान 9.316 हेक्टेयर में कुल्थी 7.191 हेक्टेयर में उड़द 3.515 हेक्टेयर में अरहर की खेती किया जाता है। 118.508 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है जिसमें कृषि कार्य किया जा सकता है।

b) वाटरशेड की प्रशासनिक सीमाएं कुल क्षेत्रफल (भूमि पैटर्न वार) वाटरशेड की सीमाएं ढलान औश्र जल निकासी लाइनों का पैटर्न—

बकुला घाट छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के छिन्दगढ़ जनपद पंचायत का एक ग्राम पंचायत है जिला मुख्यालय से दूरी 25 कि.मी. एवं जनपद पंचायत से इनकी दूरी 5 किलो मीटर पर स्थित है। बकुला घाट एवं रेड्डीपाल ग्राम पंचायत के अन्तर्गत 2 ग्राम आते है रोकेल माईक्रोवाटर शेड के अन्तर्गत बकुलाघाट रेड्डीपाल पतिनाईकरास एवं छूरागट्टा आता है। इनका माईक्रोवाटरशेड कोड 4E1D9a है।

c) जनसंख्यिकी और सामाजिक आंकड़े—

ग्राम पंचायत बकुलाघाट के ग्राम बकुलाघाट की जनसंख्या 2011 के जनगणना के अनुसार 494 है। जिसमें महिला 213 एवं पुरुष 231 ग्राम रेड्डीपाल की जनसंख्या 459 है। जिसमें महिला 246 एवं पुरुष की संख्या 213 है। ग्राम पंचायत की कुल जनसंख्या 953 है। ग्राम पंचायत में अनुसूचित जन जाति गोंड एवं हल्बा जाति के लोग निवास करते है।

2. गांव का इतिहास:—

a) गांव के नाम की उत्पत्ति।

ग्रामीण जन बताते है, इस ग्राम में इस ग्राम से होकर बहने वाली फुल नदी के घाटो में बगुला पक्षी का जमावड़ा रहता था। रात के समय नदी किनारे बड़े पेड़ो बगुला पक्षी विश्राम करते थे। इन्हीं कारणो से इस ग्राम का नाम बकुलाघाट पड़ा।

b) पुराने पूर्वजो की कहानी गांव के राजनीतिक मुल्याकंन में राजवंश का परिवर्तन (यदि कोई हो)–

पहले के लोगो के अनुसार रानी बाहल गांव में राजा का घर रहा करता था। जो कि छिन्दगढ़ पंचायत में है। और बकुलाघाट और रेड्डीपाल के लोग श्रम मजदूरी एवं खेती बाड़ी से सम्बंधित कार्य करने जाया करते थे, जो कि बिना पैसा के काम किया करते थे। राजा का नाम बाजी राजा था। जो कि पलायन करने वाले को मना करता था। अब यह इनका निति नियम उनके बेटे लोग करते आ रहे है। इस गांव में देवी देवताओं की कहानी प्रचलित है। जिसमें ग्राम वासी द्वारा पूर्वजो से चली आ रही रिति रिवाज के माध्यम से पूजा अर्चना की जाती है। इस गांव में प्रमुख रूप से देवी देवता की पूजा सबसे पहले सुकमा जिले के विकासखण्ड छिन्दगढ़ के ग्राम पंचायत में मेला का आयोजन किया जाता है। जो की चैत माह मे प्रारंभ होती है। जो मुख्य रूप से है :-

- शनिवार–छिन्दगढ़ के दन्तेश्वरी मन्दिर में पूजा अर्चना।
- रविवार–अनतराय देवी की पूजा अर्चना की जाती है।
- बुधवार–माता जात्रा।

छिन्दगढ़ मेला समापन के बाद चैत माह के शनिवार के दिन बकुलाघाट के लसकापारा मे स्थितिगित माता मन्दिर में पूजा अर्चना की जाती है। जिसमे देवी–देवताओं के नाम इस प्रकार से है :-

- ऊर् रं माला टोटिया।
- हुण्डी माता स्थापित है। जो कि बकुलाघाट के लोगो द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।
- रविवार–माता जात्रा करके विदाई कर समापन किया जाता है।

➤ भू–राजस्व के ऐतिहासिक प्रवृत्ति जंगल पट्टा आदिवासी आंदोलन:-

इस पंचायत के ग्रामवासी के द्वारा यह राय लिया गया है। जो लम्बे समय से वन भूमि पर आश्रित होकर खेती-बाड़ी करते आ रहे हैं। इनका मानना यह कि वनभूमि पट्टे के लिए आवेदन किया गया है, जो कि इनका कहना है, कि कुछ कृषकों को अधिकार प्राप्त हुआ है। और कुछ कृषकों को इसका लाभ नहीं मिल पाया है। वन-भूमि पट्टा के लिए भी आवेदन किया गया है।

अध्याय-2

1. भौगोलिक विवरण:-

ग्राम पंचायत बकुलाघाट में दो ग्राम सम्मिलित है पहला ग्राम बकुलाघाट का भौगोलिक क्षेत्रफल 273.15 हेक्टेयर है क्षेत्र में वनक्षेत्र 20.598 है वन भूमि है। ग्राम में 134.560 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि कार्य किया जाता है जिससे धान 159.213 हेक्टेयर में धान 7.965 हेक्टेयर में कुली 11.459 हेक्टेयर में उड़द 5.923 हेक्टेयर में अरहर की खेती किया जाता है। 75.259 हेक्टेयर में योग्य भूमि है जिसमें कृषि कार्य किया जा सकता है। ग्राम में 4.500 हेक्टेयर भूमि रबी की फसल लिया जाता है। रेड्डीपाल की कुल क्षेत्रफल 547.27 हेक्टेयर में उड़द कुल भूमि है जिसमें 301.752 हेक्टेयर में कृषि कार्य किया जाता है 281.730 हेक्टेयर में धान 9.316 हेक्टेयर में कुल्थी 7.191 हेक्टेयर में उड़द 3.515 हेक्टेयर में अरहर की खेती किया जाता है। 118.508 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है जिसमें कृषि कार्य किया जा सकता है।

a) वाटरशेड सीमाओं के भीतर गांवों की भौगोलिक स्थिति :-

बकुलाघाट छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के छिन्दगढ़ जनपद पंचायत का एक ग्राम पंचायत है जिला मुख्यालय से दूरी 25 कि.मी. एवं जनपद पंचायत से इनकी दूरी 5 किलो मीटर पर स्थिति है। बकुलाघाट एवं रेड्डीपाल ग्राम पंचायत के अन्तर्गत 2 ग्राम आते हैं रोकेल माईक्रोवाटर शेड के अन्तर्गत बकुलाघाट रेड्डीपाल पतिनाईकरास एवं छुरागट्टा आता है। इस माईक्रोवाटरशेड का कोड 4E1D9a है।

b) अक्षांश देशान्तर:-

ग्राम पंचायत बकुलाघाट का अक्षांश 15.2998 एवं देशांश 88.725246 पर स्थित है

c) ब्लॉक और जिले से दूरी और स्थान:-

बकलाघाट छत्तीसगढ़ राज्य के सकमा जिले के छिन्दगढ़ जनपद पंचायत का एक ग्राम पंचायत है जो जिला मुख्यालय से दूरी 25 कि.



d) वाटरशेड के भीतर जंगल का विवरण और कवरेज:-

ग्राम पंचायत बकुलाघाट 17.896 हेक्टेयर क्षेत्रफल वनभूमि क्षेत्र है। जिसमें बड़े झाड़ एवं छोटे झाड़ियों का जंगल स्थित है। ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम रेड्डीपाल में वनभूमि नहीं है।

e) ढलान और भूमि की स्थिति का पैटर्न और इसका उपयोग (पांरपरिक रूप से):-

ग्राम पंचायत बकुलाघाट का औसत ढलान 1.2 से 1.5 प्रतिशत ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम रेड्डीपाल का औसत ढलान 1.5 से 2 प्रतिशत है।

ग्राम पंचायत का नाम	ग्राम का नाम	वाटरशेड कोड	अक्षांश	देशांश	से	अक्षांश	देशांश
बकुलाघाट	बकुलाघाट	4E1D9a	18.56557	81.72368		18.5504	81.741964
	रेड्डीपाल	4E1D9a	18.54948	81.722857		18.52723	81.741791

2. नाला और नदी का वर्णन:-

ग्राम पंचायत बकुलाघाट से होकर फुल नदी बहती है। जो कि ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम रेड्डीपाल होते हुए बहती है। नदी में बारह मासी पानी रहता है। आगे बहते हुए यह नदी शबरी नदी में जाकर मिलती है।

क्रमांक	नदी या नाला का नाम	वाटरशेड के भीतर नाला की लंबाई (किलोमीटर)	नाले में जलप्रवाह (किस महीने तक प्रवाह है।)
1	फुल नदी	5.00 कि.मी.	बारह मासी

3. भूमि स्वरूप और इसके घटक:-

ढलान के साथ-साथ जल धारण विशेषताओं के आधार पर , इस क्षेत्र की भूमि को निम्नलिखित विशेषता में विभाजित किया गया है।
उसी का वितरण इस प्रकार है।

a) भूमि स्वरूप।

तालिका 2: भूमि स्वरूप

क्र.	भूमि	क्षेत्र (है)	ढलान (%) जहां लागू	प्रतिशत (%)
1	वन भूमि (सरकार)	17.896	8 से 10	8 से 10
2	वनभूमि (निजी)	2.50	1.5 से 2.00	1.5 से 2.00
3	अपलैंड	28.880 147.172	1.2 से 1.50	1.2 से 1.50
4	मध्य अपलैंड	105.255 173.281	1.2 से 1.50	1.2 से 1.50
5	मध्य तराई	69.105 108.396	1.2 से 1.50	1.2 से 1.50
6	समतल नीचा भूमि	33.213 82.435	1.2 से 1.50	1.2 से 1.50
7	रियासत	—	1.2 से 1.50	1.2 से 1.50
8	सड़क	5.688 11.548	1.2 से 1.50	1.2 से 1.50
9	जल निकायों	10.406 16.213	1.5 से 2.00	1.5 से 2.00
10	नदी या रिब्यूलेट	8.225	1.5 से 2.00	1.5 से 2.00
कुल —		820.420		

b) भूमि उपयोग का पैटर्न –

क्र.	ग्राम	भूमि की कुल क्षेत्र (हेक्टेयर)	उस जल ग्रहण के अंतर्गत कुल क्षेत्र (है)	वन क्षेत्र (है)	सिंचित भूमि	वर्षा आधारित क्षेत्र (है)	परती भूमि (है)
1	बकुलाघाट	273.15	—	20.598	4.722	273.15	—
2	रेड्डीपाल	547.27	—	—	3.954	547.27	105.548
		820.42	—	20.598	8.676	820.42	105.548

c) भूमि उपयोग तथा फसल गहनता –

तालिका 4: फसल गहनता

क्र.	ग्राम	एकल फसली क्षेत्र (है)	डबल फसली क्षेत्र (है)	कुल खेती योग्य भूमि (है)
1.	बकुलाघाट	184.560	4.500	32.775
2	रेड्डीपाल	301.752	3.365	94.349
	कुल योग—	486.312	7.865	127.124

उपरोक्त तालिका पर सक्षिप्त विवरण

ग्राम पंचायत बकुलाघाट के ग्राम बकुलाघाट में 184.560 हेक्टेयर क्षेत्र में कृषि कार्य किया जाता है। जिसमें अधिकतर धान की खेती की जाती है। ग्राम में खरीफ की मौसम में उड़द, तिल, मक्का, आदि की खेती किया जाता है। ग्राम में सिंचाई के साधन नही होने के कारण दूसरी फसल (रबी) की खेती नही के बराबर किया जाता है। ग्राम में 4.500 हेक्टेयर में रबी की खेती की जाती है। जिसमें मक्का एवं सब्जी लगाते है। ग्राम में 32.775 हेक्टेयर भूमि पड़ते है। जिसमें सुधार कार्य कर खेती किया जा सकता है।

ग्राम रेड्डीपाल में 301.752 हेक्टेयर में खरीफ के मौसम में खेती की जाती है। जिसमें मुख्यतः धान की खेती की जाती है। मक्का, उड़द एवं तिल की खेती भी की जाती है। 3.365 हेक्टेयर भूमि में डबल फसल मक्का एवं सब्जी के रूप में लिया जाता है।

4. मौजूद जल संसाधन विश्लेषण –

तालिका 5: मौजूदा जल संसाधन विश्लेषण

मौजूद जल संसाधन समन्वय की जल धारण क्षमता								समन्वय	
क्र.	तालाब का नाम	तालाब एवं डबरी की संख्या	तलाब की वर्तमान स्थिति का क्षेत्रफल	तालाब का क्षेत्रफल (Ha)	तालाब की औसत गहराई (Mt)	तालाब में पानी की क्षमता (Ha-Mt)	तालाब में पानी की अवधि (दिन)	अक्षांश	देशान्तर
1	साडर तालाब	1	1.50 हेक्टेयर	1.50 हेक्टेयर	1.5 मीटर	57.6	वार्षिक	18.550676	81.725967
2	कलार मुण्डा	1	1 हेक्टेयर	1 हेक्टेयर	1.5 मीटर	40	वार्षिक	18.559855	81.733602
3	त्रिशूल तालाब	1	0.40 हेक्टेयर	0.40 हेक्टेयर	1.2 मीटर	3.2	मार्च तक		
4	जोगी डबरी	15							
5	राजीव गांधी जल ग्रहण मिशन के अन्तर्गत डबरी	06							

चित्र

a) सिंचाई की वर्तमान स्थिति (भू-जल स्रोत से)

तालिका 6: सिंचाई की वर्तमान स्थिति (भूजल स्रोत से)

क्र.	सिंचाई के विभिन्न स्रोत	स्रोत की संख्या	सिंचित भूमि हेक्टेयर
1	बड़ा कुआ	08	2.50
2	रिंग कुआ	12	0.45
3	नदी	01	12
4	सामूहिक तालाब	03	1.00
5	व्यक्तिगत डबरी	15	—

b) सिंचाई सुविधाओं की वर्तमान स्थिति (सतह के पानी से)

तालिका 7: सिंचाई सुविधाओं की वर्तमान स्थिति (सतह के पानी से)

क्र.	जीपी का नाम	गांव का नाम	स्रोत का प्रकार	सिंचित क्षेत्र (Ha)	बारह मासी (महीने)	रखरखाव की आवश्यकता (हाँ/नहीं)
1	बकुलाघाट	बकुलाघाट	नदी	3.103	4 माह	हाँ
2	बकुलाघाट	रेड्डीपाल	नदी	4.705	4 माह	हाँ

c) भूजल स्तर की स्थिति

तालिका 8: भूजल स्तर की स्थिति

क्र.	स्रोत (कुआं)	कुएँ का कोड़	कुएँ का मालिक	माप की तारीख	जी.एल. से पानी की गहराई (फीट)	स्रोत (भूमि पैटर्न)	सिंचाई क्षमता (हेक्टेयर)	अक्षांश देशांश
1	कुआ	—	हुंगा/भीमा	30.03.2019	4.80 मी.	बाड़ी	0.25	18.582026 / 81.728848
2	कुआ	—	जयराम/लखमु	30.03.2019	4.50 मी .	बाड़ी	0.25	18.581995 / 81.728905
3	कुआ	—	सोमारु बघेल/नानी बघेल	30.03.2019	4.38 मी.	बाड़ी	0.25	18.558707 / 81.73035
4	कुआ	—	महादेव/रामधर	30.03.2019	4.50 मी.	बाड़ी	0.20	18.559909 / 81.73364
5	कुआ	—	रामा/आयतु	30.03.2019	4.50 मी.	बाड़ी	0.15	18.427722 / 81.675979
6	कुआ	—	मुका मरकामी/हुंगा	30.03.2019	4.50 मी.	बाड़ी	0.20	18.446985 / 81.680199
7	कुआ	—	हांदा राम/	30.03.2019	4.50 मी.	बाड़ी	0.25	18.557249 / 81.724975
8	कुआ	—	हुंगा राम पदामी	30.03.2019	4.58 मी.	बाड़ी	0.25	
9	रिंग कुआ	—	आसमन	30.03.2019	4.32	बाड़ी	0.20	
10	रिंग कुआ	—	गंगाधर	30.03.2019	4.58	बाड़ी	0.15	
11	रिंग कुआ	—	धनसाय	30.03.2019	4.37	बाड़ी	0.12	
12	रिंग कुआ	—	मंगल	30.03.2019	4.44	बाड़ी	0.16	
13	रिंग कुआ	—	गंगा मुचाकी	30.03.2019	4.34	बाड़ी	0.29	
14	रिंग कुआ	—	भगत	30.03.2019	4.58	बाड़ी	0.18	
15	रिंग कुआ	—	सोनसाय	30.03.2019	4.47	बाड़ी	0.15	
16	रिंग कुआ	—	हिड़मा	30.03.2019	4.52	बाड़ी	0.7	
17	रिंग कुआ	—	मिट्टू	30.03.2019	4.57	बाड़ी	0.18	

d) वर्षा (मिमी) :

मौसम वभिाग से पिछले 5 वर्षो डेटा माहवार (तालिका या चार्ट ग्राफ में।) तालिका 9: वर्षा

वर्ष	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	कुल
2015	—	—	—	—	—	501.90	312.10	486.70	242.30	0.00	12.10	0	1665
2016	—	—	—	—	26.00	321.50	363.20	456.30	366.20	148.00	0.00	0	1681.20
2017	—	—	—	—	10.80	441.20	408.70	648.70	168.00	62.20	1.00	0.00	1740.50
2018	—	—	—	—	—	547.20	815.60	462.50	100.20	0.00	0.00	2.80	1928.30

e) जल बजट :- तालिका 10: जल बजट

क्र.	विवरण	वार्षिक पानी की आवश्यकता
		(घन मीटर)
1	खाद्य अनाज उत्पादन (@ 1400 किलो प्रति वर्ष)	1250
2	रु. की आय प्राप्त करने के लिए (1,00,000 रु. प्रतिवर्ष या तो 3000 वर्ग मी. क्षेत्र से नकद फसल से या अन्य जरूरी को प्राप्त करने के लिए)	1500
3	विभिन्न घरेलू काम पशुधन, आदि प्रति परिवार प्रति दिन 1375 मीटर	500
4	विविध उपयोग (उपरोक्त आवश्यकता का 10_15%)	500
5	प्रति परिवार की कुल आवश्यकता	3750
6	प्रति व्यक्ति आवश्यकता	750
7	माइक्रोवाटरशेड क्षेत्र से कुल परिवारों की संख्या	249
8	अनुमानित जनसंख्या आकार (यह मानते हुए कि दशकीय वृद्धि दर 10% है)	953
9	माइक्रोवाटरशेड क्षेत्र से वार्षिक पानी की आवश्यकता (घन मीटर)	714750.00
10	(Ha-mt के बराबर)	714.75
11	अतिरिक्त पानी आवश्यकता (यह मानते हुए कि वर्षा से सीधे 40% प्राप्त है।)	285.90
12	वर्तमान जल संसाधन से उपलब्ध जल (तालिका संख्या मौजूदा जल संसाधन विश्लेषण Ha-mt)	114.36
13	इसलिए, माइक्रोवाटरशेड कार्यक्रम के माध्यम से अतिरिक्त जल संचयन की आवश्यकता	171.54

अध्याय 3

जनसांख्यिकी

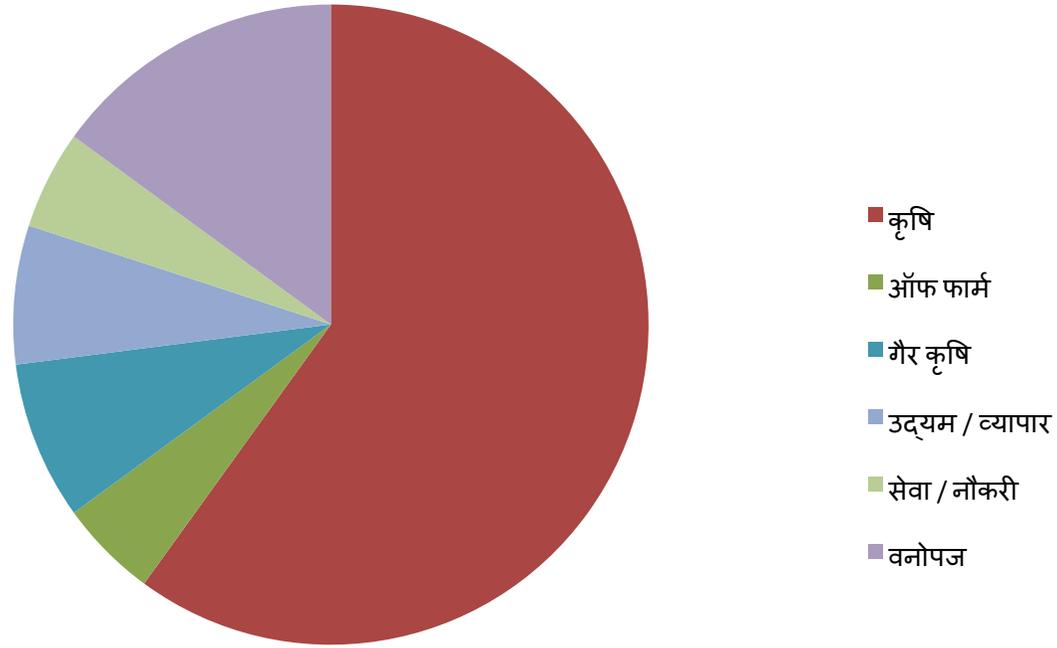
- आबादी – 953
- 2011 की जनगणना या एसईसीसी से परिवारों का वितरण पुरुष/महिला अनुपात – 4.4:5.09
- स्थानीय संस्कृति और मिथकों –
- जाति भाषा और संस्कृति –
- वर्ष 2011 के अनुसार ग्राम पंचायत बकुलाघाट पंचायत का कुल जनसंख्या 953 है जिसमें कुल परिवारों की संख्या 249 है बकुलाघाट ग्राम में पुरुष 444 एव महिलाये 509 है, बकुलाघाट ग्राम में गोंड, मुरिया जाति के परिवार रहते है बकुलाघाट गाँव के लोग मुख्यतः गोंड, हल्बी, हिंदी भाषा का प्रयोग करते है। 2011 की जनगणना या एसईसीसी से परिवारों का वितरण पुरुष/महिला अनुपात – 4.4:5.09

तालिका 11:

क्र	घर के मुख्य महिला सदस्य का नाम	स्व: सहायता समूह का नाम (यदि संबंधित है।)	पति/पत्नी का नाम	सामाजिक श्रेणी							परिवार के सदस्यों की सं.			जॉब कार्ड	आधार कार्ड सं.	जॉब कार्ड में व्यक्तियों की संख्या	मिट्टी खुदाई (वास्तव में) के लिए काम करने वाले सदस्यों की संख्या	आजीविका के स्रोत	सकल वार्षिक घरेलू आय (रुपये में)	कुपोषित बच्चे/स्कूल ड्रॉप-आउट/बाल श्रम/तस्करी (निदिष्ट)	कोई पलायन करे या न	बकरियों सूअरों की संख्या	मवेशी संख्या
				Sc	St	Obc	Gen	PvtG	Other	SECC scor	व्यक्तियों की संख्या	पु.	म.										
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24

क्र.	मौजूद आजीविका मार्गों के प्रमुख विकल्प	तीव्रमता मानचित्र (चपाती द्वारा)	निवेश पर वापसी की तीव्रता मानचित्रण (100 बीज द्वारा)	गतिविधियाँ	टिप्पणियाँ
1	कृषि	01	70	धान के खेती, कोंदो, कुटकी, उड़द, मडिया, मक्का, जुवार, तिल, कुल्थी, (सब्जी की खेती टमाटर, बेगन, मिर्च, कद्दू, बरबटी, करेला, धनिया पत्ति, पालक, फूल गोभी, पत्ता गोभी भाजी वर्गीय सब्जी, खाने के प्रयोग के लिए)	पंचायत क्षेत्र के लोग प्राथमिकता के तौर पर खेती करते हैं। कृषि मुख्य आजीविका का साधन है। सिंचाई सुविधा नही होने के कारण अधिकतर नुकसान उठाना पड़ता है।
2	ऑफ फार्म	02	2	गाँव से पलायन करके काम करते हैं तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश जाकर मिर्च तोड़ना एवं बोर गाड़ी एवं कारखानों में मजदूरी करना।	अधिकतर परिवार कृषि मजदूरी और मनरेगा में कार्य करते हैं।
3	गैर कृषि	03	5	मजदूरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुअर पालन, मछली पालन, बतख, गाय-बैल का पालन	यहा के किसान पशु पालन करते हैं एवं बेचने के कार्य भी करते हैं।
4	उद्यम / व्यापार	04	5	किराना दुकान, सब्जी की दूकान लगाना, सप्पी, ताड़ी, छिन्द रस, महुआ का दारू बनाकर बेचना आदि। साप्ताहिक में बाजार में भजिया, चना, लाई, बेचने का कार्य	पंचायत की 6-7 परिवार किराना एवं सब्जी बेचना धान एवं वनोपज का खरीदी बिक्री करते हैं।
5	सेवा / नौकरी	05	3	स्कूल में पढ़ाना , आगनवाड़ी में कार्य , चपरासी , होमगार्ड	पंचायत क्षेत्र के 5-6 सरकारी विभाग में सेवा कार्य करते हैं।
	वनोपज	06	15	जंगल से लकड़ी लाकर बेचना, तैदूपत्ता , चार, इमली, अमचूर, टोरा, महुआ, आदि	

निवेश पर वापसी की तीव्रता मानचित्रण (100 बीज द्वारा)



b) त्यौहार :-

a) स्थानीय त्यौहारो पर बहुत संक्षिप्त नोट।

b) ग्रामीण अपना त्यौहार को बहुत हर्ष एवं उल्लास एवं विधी विधान से मनाते है किसी भी पर्व की तैयारी एवं उमंग के साथ मनाते है।

आमुस – गांव की त्यौहार आमुस से प्रारंभ होता है। आमुस त्यौहार में (खट्टा भाजी) धान का पौधा एवं कोसरा का पौधा का पूजा किया जाता है। अपने देव गुड़ी (ईष्ट देव) को समर्पित करते है। घर-घर के चरवाह भेलवा एवं शिरंडी का पौधा को छत में टांग देते है।

नवा खानी – धान की हिन्दू महिमा कुवार में नवा खानी चालू होता है जिसमें क्या धान का चिवड़ा (पोहा) नया पत्ता का उपयोग करते है। धान का टिकान (धान को एक दूसरे के मस्तक में चिपकाना) करके एक दूसरे का पैर छुते है और आर्शीवाद लेते है।

कुरमी – यह त्यौहार 15 अगस्त के बाद मनाया जाता है। यह वर्षा का मौसम होता है, बाड़ी टिकरा, मरान, खेती धान के पौधों से लहलहा जाता है। जिससे किसान हर्षित हो जाते है व नाच गाकर यह त्यौहार मनाते है, मुख्य रूप से यह त्यौहार बस्तर के आदिवासी क्षेत्रो में मनाया जाता है, जो कि घर के बाड़ी से लेकर खेत के मेड़ में खट्टा भाजी उगाया जाता है जिसे किसान लगन से लगाते है जब इससे हरे-हरे पत्ती निकल आते तो इसे खाने की खुशी में कुरमी त्यौहार मनाते है।

कोड़ता – यह त्यौहार सितम्बर से अक्टूबर के मध्य में मनाया जाता है, जो कि मुख्य रूप से आदिवासी क्षेत्रो में अनाज एवं सब्जी की फल के लिए मनाया जाता है, यह त्यौहार के द्वारा आदिवासी क्षेत्र के लोग अनाज की पूजा भी करते है व देवता को चढ़ाते है उसके बाद अनाज का सेवन करते है यह त्यौहार इनके लिए अहम है फसल की बाली देखकर खुशी में यह त्यौहार मनाते है व नाच गा कर खुशी मनाते है। व नये अनाज व सब्जी के फल खाते है। और गांव-गांव से अपने रिश्तेदारो का स्वागत कर उनको भरपूर खिलाते व सेवा करते है।

विमुल – यह आदिवासियों का मुख्य त्यौहार है, और इसे आदिवासी क्षेत्र के लोग अच्छे तरीके से मनाते है, जो कि ठन्ड का मौसम होता है आदिवासी भाई नगाड़े, बाजा, गाना, बान्सुरी बजाकर इस त्यौहार का आनन्द लेते है, जो कि धान की मंडई होने के बाद फसल का उत्पादन देखकर खुशी से मनाया जाता है और देवी देवताओं की पूजा अर्चना की जाती है। जो कि बस्तर का मुख्य अर्चना है व इसे इन लोग धूम-धाम से मनाते है और आस-पास के लोगो को बुलाते व घर-घर जाकर भोजन करके त्यौहार को मताते है, जिसमें सब्जी में अधिकतर मांस मटन व दारू के रूप में महुआ का रस सल्फी तथा छिन्द रस, ताड़ी आदि का सेवन करते है और सभी नशे में मग्न होकर नाच गान करते है। इससे सभी को आमंत्रण किया जाता है। और इसके साथ-साथ उड़द का बड़ा व चापड़ा की चटनी बनायी जाती है व सेवन किया जाता है।

बिजा पण्डूम – यह अप्रैल के माह में कोयल के सुरीली आवाज में आम के आने की खुशी में आम खाने के तौर पर यह मनाया जाता है जो कि देवी देवताओं की पूजा अर्चना आरती करके भोग चढ़ाकर आम फल का सेवन करते हैं। फल सेवन करने के बाद मंदिरा, पेड़ों के रस का तथा चावल के मांड से बना लांदा का सेवन करके नाच गा करके हर्षित होते हैं।

माटी त्यौहार – गुरुवार को माटी त्यौहार मनाते हैं। इसी दिन लोग धान की बोनी कर देते हैं। यह बोनी गांव के संघ (सरहद) में करते हैं। इसके एक सप्ताह पश्चात फिर धान की बोनी करते हैं। इस दिन गांव के लाग शिकार करे वापस आने पर रात में पूजा

हो है। शिकार की सामग्री का पूजन कर खाना व बनाया जाता है। नाचते हैं लोग शराब का सेवन करते हैं और रात भर नाचते हैं गाते हैं और खाना खाते हैं।

मडई (मेला) – इस त्यौहार का आनन्द गर्मी के मौसम में अप्रैल से लेकर जून तक मनाया जाता है, तत्पश्चात यह हर गांव में अलग-अलग दिन व माह में तय करके मनाया जाता है, यह पर्व को मनाने के पहल दूर दराज से देवी देवताओं की आमंत्रण दिया जाता है। और सभी एक स्थान पर एक निश्चित समय में जैसे गांव का माता मंदिर में प्रवेश कराया जाता है, जो कि अनेक-अनेक क्रिया-कलापो से उन्हे सजाया व मनाया जाता है। जैसे की चांदी का छतरी कुसा छत्तर नीचे बांस का बना हुआ होता है जिसमें कपड़े से लपेट कर तथा दूल्हन की तरह फूलों से सजाकर लाया जाता



है। लाठी जो बांस की पूरी लम्बाई होती है जो 4-5 मी. होती है। जो की ऊपर के हिस्से में सोने का नुकीली सिरा व लम्बाई को कपड़े से लपेटा जाता है जो अपने देवी देवता के हिसाब से होता है। और इसे भी फूलों से सजाया जाता है। इसमें पूजा करने वाले पूजारी जो गांव का निवासी होता है। इन्हे धुप आरती व शंख नगाड़े बजाकर प्रसन्न किया जाता है और इसमें दूर-दराज से खिलौने वाले झूले वाले नाटक वाले सभी को आमंत्रण किया जाता है। इसमें नये-नये लोगो व नयी-नयी भाषाएं देखने व सुनने को मिलती है। तत्पश्चात सभी देवताओं व सजे हुए बांस की लाठी का छत्तरियों को एक स्थान पर स्थापित किया जाता है। उसके दूसरे दिन सभी देवों को अपनी-अपनी आवश्यकता अनुसार भोजन के रूप में छोटे पशुओं को देवी देवताओं को प्रसन्न करने के

लिए बलि चढ़ायी जाती है। और उसके शरीर को ले जाकर बनाकर प्रसाद के रूप में खाते हैं। मुख्य रूप से यह पर्व दो दिवस का होता है। पूजा अर्चना दो दिवस में समाप्त होने पर इनको विदाई दी जाती है। व पर्व की समाप्ति हो जाती है।

c) कृषि तब और अब –

a) कृषि की स्थिति के पांच से दस साल के रूझान

कृषि की स्थिति पिछले पांच वर्षों में बदलाव हुई है, पहले वर्ष की पानी पर निर्भर रहते थे। खेत में धान का छिड़काव ऐसे कर देते थे। मुख्य रूप से आजीविका का साधन वनोपज लकड़ी बेचना महुआ, टोरा साल बीज तेन्दू पत्ता से आजीविका चलाते थे। गांव में बैल गाड़ी से चला कर बोनी या बीज ऐसे ही छिड़क देते थे। आजीविका के लिए पूर्ण रूप से कृषि पर निर्भर नहीं रहते थे।

भौतिक सुख सुविधाओं की विस्तार होने के कारण मशीनो जैसे ट्रैक्टर, सीडड्रिल, पेडी कटर, थ्रेसर, आदि आने के कारण इन ग्रामों में भी कृषि के स्तर में सुधार हुआ है। कृषि उपज में पहले की अपेक्षा वृद्धि हुई है।

कृषि विभाग की योजनाओं का प्रचार-प्रसार एवं प्रदर्शन :-

कृषि विभाग विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कृषि को बढ़ावा देने प्रशिक्षण का आयोजन कर लोगों की जागृत कर रहा है। योजना अन्तर्गत बीज उर्वरक किटनाशकों की जानकारी कृषकों को प्रशिक्षण के माध्यम से लोगों को उत्साहित कर रहा है।

उन्नत खेती वाले स्थानों का भ्रमण :-

जिन क्षेत्रों में उन्नत खेती एवं खेती से अच्छा आय प्राप्त कर रहे हैं। उन स्थानों का भ्रमण एवं दूसरे राज्यों का भी भ्रमण करवा के खेती की स्तर सुधारने प्रयास हो रहा है। जैसे श्री विधि की खेती।

कृषि यांत्रिकी :-

यांत्रिकी की क्षेत्र में लोगों को जागरूक कर बैंक से ऋण के माध्यम से ट्रैक्टर, सीडड्रिल, पेडी मार्कर, पेडी कटर, थ्रेसर, आदि की उपलब्धि से कृषि के क्षेत्र में बढ़ावा मिला है

● **सिंचाई साधन :-**

लोग पहले वर्ष पर पूर्ण रूप से निर्भर रहते थे वर्तमान में नलकूप कुआं योजना अन्तर्गत नलकूप मनरेगा से कुआ खनन डबरी तालाब आदि से पानी जो फसल बचाने के लिए आवश्यकता होता है। इसके कारण खेती में सुधार हुआ है। योजना अन्तर्गत सौर-ऊर्जा स्थापना से भी लोगो में जागरूकता बढ़ा है। कृषि विभाग द्वारा व्यापार पैमाना ये लोगो को सौर-ऊर्जा स्थापना करवा कर खेती के स्तर में सुधार हुआ है।

b) मुख्य रूप से बड़े बदलाव पिछले पांच से दस वर्षों में प्रौद्योगिकी, प्रथाओं, उत्पादन (फसलवार) में हुए।

आज से 10 वर्ष पूर्व किसानों की मानसिकता खेती करने में जोखिम उठाना पड़ता है, ऐसे उनकी समझ थी। लोग खेतों में धान का बीज ऐसे ही छिड़काव कर देते थे और । बारिश नहीं होने से फसल नुकसान हो जाता था। और बाहर दिहाड़ी मजदूरी करने पलायन कर जाते थे।

ऐसे विषय समय में उनका मुख्य आजीविका के साधन होते थे वनोपज ईमली, महुआ, टोरा साल, बीज तेन्दूपत्ता उन्ही सभी इनका आजीविका का मुख्य साधन था। इनके उपर पूर्णरूप से निर्भर रहते थे। जरूरते छोटी होने कारण इनका गुजर बसर भी हो जाता था। वर्तमान में शासक की वित्तीय योजना जिसमें भूमि सुधार के माध्यम से लोगो की स्थिति में सुधार हुआ और खेती में धीरे-धीरे सुधार आना प्रारंभ हुआ।

c) पिछले पांच वर्षों में परिवार में फसल अपनाने में बदलाव (यदि कोई हो)

पिछले कई दशकों से कृषक झूम खेती करता आ रहा था। लेकिन अब अच्छे उत्पादन के साथ-साथ कृषि के नई-नई तकनीकी ज्ञान को अपनाकर अच्छे उत्पादन की ओर अग्रसर होता चला आ रहा है। जैसे कि पुरानी पद्धति को छोड़कर नई पद्धति में आना चाहता है।

देशी धान लिम चूड़ी, सफरी, हल्दी गढ्ठी, सेंदूर सिंगा को छोड़कर किट पतंगों से लड़ने की क्षमता रखने वाली किस्मों को जैसे कि उन्नतशील किस्में

—	एम.टी.यू. — 1010, 1001
—	बम्लेश्वरी, दंतेश्वरी, महामाया
हाईब्रीड किस्में	— अंकुर 7434, अराइज 6444, वी.एन.आर. 2355, 2245

इन सभी किस्मों का बदलाव करते आ रहा है। इसी तरह से सब्जी के उत्पादन में नई नई तकनीकों का उपयोग करते आ रहे हैं। बेड तैयार करके आलू, शक्करकंद एवं सब्जी की खेती के लिये मचान विधि को प्रयोग करते चला आ रहा है।

भोजन की आदतें

गाँव के परिवार शाकाहार में चावल, मक्का, उड़द, मूँग दाल, चना दाल, आलू की सब्जी, बेगन, सेमी, लौकी, पालक, चरोटा, खेडा, कोलियारी भाजी आदि मुख्य आहार में लेते हैं। मांसाहार में मुर्गा, बकरा, मछली, अंडा, बतख, सुअर जंगल में पाये जाने वाले जीव भोजन में लेते हैं। बकुलाघाट गाँव में अधिकांश आदिवासी परिवार ही है परिवार में महिलाये सुबह 5 बजे उठ जाती है घर की साफ सफाई के साथ 8 बजे से भोजन बनाना चालू कर देती है सुबह में 9 से 10 के बीच सभी भोजन करते हैं इन परिवारों भोजन में मुख्यतः दाल (अरहर उड़द और मूँग) भेंडा (खट्टा भाजी) इमली झोर (इमली की रस) और मोटा चावल रहता है जो की हर परिवार आपने भोजन में उपयोग करता है।



दोपहर को 1 से 3 बजे के बीच ग्राम के परिवारों की महिलाये पेज (चावल को उबालकर गीला रखकर जो की खीर के तरह देखता है) में माडिया (जिसका रंग सफ़ेद भूरा होता है और खाने में हल्का खट्टा लगता है) को मिलाकर पीते हैं। पेज और माडिया को साथ में खाने से शरीर में ताकत और शरीर को ठंडा रखने के लिए किया जाता है और शाम को 8 से 10 के बीच चावल दाल खट्टा भाजी इमली जोर और कभी कभी हरा सब्जी भी खाते हैं। इसके साथ ही यहाँ के परिवार घर में किसी मेहमान के आने से भी मुर्गा की सब्जी भी बनाते और खाते हैं यहाँ पर सभी परिवार मांसाहारी हैं घर में पूजा पाठ होने से बकरा भी कटा और बनाया जाता है जिसमें परिवार के और आसपास के परिवार शामिल होते हैं।

यहाँ के परिवारों की दिनचर्या में सल्फी- छिंद रस- ताड़ी और महुआ रस का भी सेवन किया जाता है घर के पास पेड़ होने से तो ये परिवार पीते ही हैं साप्ताहिक बाजार के समय 10 रुपये में 1 गिलाश (200 से 300 मी.लीटर) मिल जाता है जो की महिला हो या पुरुष सभी पसंद करते हैं। शादी विवाह के

समय चावल को कूटकर आटा जैसे बना दिया जाता है जिसको एक हांडी में रख दिया जाता है जैसे दिन बड़ते हैं तो इस में खट्टापन आ जाता है फिर इसमें मक्का का पाउडर मिला कर रखते हैं जिसे लंन्दा कहते हैं। आदिवासी परिवारों में बासी भात का भी प्रचलन है एक दिन पहले के चावल में इमली की चटनी मिलकर खाया जाता है।



यहाँ पर आम के पेड़ पर लाल रंग की चीटियों (चापड़ा) जो कि आम के 30 से 50 पत्तों को अपनी लार से मिलकर एक घोंसला बनाती है इस घोंसले में लाल चीटिया अपने अंडे देती हैं जिसको आदिवासी परिवार इक्कठा करके सभी अन्डों और चीटियों (चापड़ा) को पीसकर नमक मिर्च मिलाकर चटनी बनाते हैं जिसे चापड़ा चटनी कहते हैं माना जाता है की ये चटनी दुनिया की सबसे बेहतर प्रोटीन से युक्त चटनी है जो की खाने में यहाँ के परिवार पसंद करते हैं।



g) पशुधन का विवरण और स्थिति :-

तालिका 15: पशुधन का विवरण

क्र.	गांव का नाम	बड़ा रोमंथी	छोटा रोमंथी	पोल्ट्री पक्षी कुल रोमंथी	कुल रोमंथी	चारा आवश्यकताएं प्रति दिन	चारा आवश्यकताएं प्रति पशु प्रति दिन	वार्षिक आवश्यकताएं	घंटे / अधिशेष
1	बकुलाघाट	578 — — —	— 256 — —	— — 1210 —	— — — 2044	बड़ा पशु 53.176 क्वि. छोटा पशु 3.84 क्वि. पक्षी 0.605 क्वि.	9.200 कि.ग्रा. 1.500 कि.ग्रा. 0.050 कि.ग्रा.	19407.11 क्वि. 14016.00 क्वि. 220.825 क्वि.	7762.80 क्वि. 5606.40 क्वि. 88.33 क्वि.
2	रेड्डीपाल	550 — — —	— 405 — —	— — 1269 —	— — — 2224	बड़ा पशु 5060 क्वि. छोटा पशु 607.50 क्वि. पक्षी 0.6345 क्वि.	9.200 कि.ग्रा. 1.500 कि.ग्रा. 0.050 कि.ग्रा.	18469.00 क्वि. 22155.18 क्वि. 231.415 क्वि.	7387.60 क्वि. 8862.072 क्वि. 92.564 क्वि.
								244679.531 क्वि.	29799.766 क्वि. घंटे

d) पलायन की स्थिति :-

ग्राम पंचायत क्षेत्र में मजदूरी की दर कम होने कारण लोग दूसरे राज्यों में काम की तलाश में चले जाते हैं। दूसरे राज्यों में मजदूरी दर अपने राज्य जिला से अधिक होता है। क्षेत्र में काम के अभाव के कारण अन्य राज्यों में जाकर मजदूरी करने के लिए बाध्य होते हैं। गांव की खेती मानसून पर निर्भर करती है। लोग वर्षा ऋतु में वर्षा आधारित खेती करते हैं। सिंचाई सुविधा नही होने कारण सुखे की

स्थिति में धान की फसल को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसके साथ-साथ क्षेत्र में खरीफ के मौसम में ही धान की एक फसली खेती करते हैं। क्षेत्र में शिक्षा की कमी और उन्नत विधि से कृषि कार्य की जानकारी नहीं होने के कारण उन्नत बीज, प्रमाणित बीज उपचार हेतु कीटनाशक दवाईयों की जानकारी नहीं होने के कारण आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इस कारण भी लोग पलायन कर जाते हैं।

तालिका 16: पलायन

क्र.	गांव का नाम	पलायन करने वाले व्यक्तियों की संख्या			पलायन में कितने दिन बाहर रहते हैं।	पलायन का मुख्य कारण	गांव से पलायन का जगह से दूरी (कि.मी.)	पलायन में वे क्या काम करते हैं।	प्रति माह प्रवास के आय
		पुरुष	महिला	कुल					
		0	0	0	—	—	—	—	—
1	बकुलाघाट	0	0	0	—	—	—	—	—
2	रेड्डीपाल	0	0	0	—	—	—	—	—

विवरण — ग्राम पंचायत बकुलाघाट में विगत 5 वर्षों से महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अधिनियम के तहत ग्रामीणों को कार्य मिलने से उनकी आजीविका में कुछ सुधार आई। तथा बच्चों को अच्छा शिक्षा दिया जा रहा है। एवं इस योजना के कारण ग्रामीण अपने ग्रामों पलायन नहीं कर रहे।

e) मनरेगा

तालिका 17 मनरेगा

क्र.	गांव का नाम	जॉब कार्ड	मजदूर की	काम करने वाले मजदूरों की संख्या	पिछले तीन वित्तीय वर्षों में प्रति
------	-------------	-----------	----------	---------------------------------	------------------------------------

		की संख्या	संख्या	(पिछले तीन वित्तीय वर्षों में)			जॉब कार्ड की औसत मानव दिवस संख्या		
				2016-17	2017-18	2018-19	2016-17	2017-18	2018-19
1	बकुलाघाट	206	593	4478	8787	16712	21.73	42.65	81.12

उपरोक्त तालिका का संक्षिप्त विश्लेषण दिया जा सकता है।

f) वन उत्पादों और संबंधित संस्थान की स्थिति –

- प्रमुख वन उपज।
ग्राम पंचायत क्षेत्र के परिवार वनोपज के ऊपर भी निर्भर रहते हैं। पंचायत क्षेत्र में महुआ, इमली, तेन्दू पत्ता, टोरा, अमचूर, चार मुख्य रूप से मिलता है।
- वनोपज पर निर्भरता।

पंचायत क्षेत्र में वनोपज से 30-40 प्रतिशत आर्थिक सहयोग वनोपज से ही मिलता है। गांव के निवासी वनोपज सग्रहण एवं बेचकर लाभ कमाते हैं। क्षेत्र के सभी परिवार की निर्भरता वनोपज पर टिकी हुई है। ग्राम में प्रमुख वन उपज महुआ, इमली, आम, टोरा और तेंदुपत्ता आदि भी परिवारों की आय का स्रोत है गाँव के परिवारों की इन उपजों की भरमार है महुआ बीनने और सुखाने, बेचने में महिलाओं के 30 दिन से ज्यादा का समय लग जाता है महुआ को बाजार में बेचने पर नया महुआ 25 से 30 रुपया प्रति किलो और यदि उनके पास पुराना महुआ है तो उनको 65 - 70 रुपया मिलता भाव बाजार में मिलता है इसी क्रम में इमली को तोड़कर सुखाकर बेचने से परिवारों को 30 से 32 और यदि इमली के बीज को निकलकर बाजार में भाव 45 रु तक हो जाता है तेंदुपत्ता को तोड़कर उसकी 50-50- पत्तों की गड़्डी बनाकर हर 100 गड़्डी का 400 रु तक मिलाता है जो की आय को बढ़ाने में भी मदद करता है महुआ का समय समाप्त होने पर टोरा (महुआ का बीज) को महिलाये तोड़ती है और दो पत्थरों के सहारे से टोरा का छिलका उतारकर टोरा का तेल निकलवाती है जो की खाना बनाने के उपयोग में लाते हैं। अप्रैल के महिने में कच्चे आम से अमचूर बनाकर बजारों में बेचा जाता है जिससे प्रतिकिलों 50-60 रुपयें का लाभ गांववालों को मिलता है।

JFMC की स्थिति (जहां भी लागू हो)

विश्लेषण – प्रमुख रूप से JFMC वनविभाग के माध्यम से वन सम्पदा को ध्यान में रखकर कार्य योजना तैयार किया जाता है जैसे तेंदूपत्ता संग्रहण के लिये।

इस योजना में 10-11 सदस्यों का मनोनित किया जाता है।

11 सदस्यों में से 01 को अध्यक्ष पद के लिए वोटिंग के माध्यम से चुनाव किया जाता है।

जो 10 सदस्यों का कार्य भार संभालता है।

अध्यक्ष पद के लिए 11 रु का भूगतान कर फार्म भरा जाता है।

वोटिंग के माध्यम से जीत घोषित होने के बाद यह अध्यक्ष पद का कार्य संभालता है।

k. क्षेत्र में महिलाओं और महिला संगठनों के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

तालिका 18: महिला संगठनों के बारे में।

क्र.	एस.एच.जी. का नाम	वी.ओ. का नाम	गांव का नाम	एस.एच.जी. ने आर.एफ. प्राप्त किया (हाँ/नहीं)	एस.एच.जी. ने सी. आई.एफ. प्राप्त किया (हाँ/नहीं)	एस.एच.जी. का बैंक खाता है (हाँ/नहीं)	कोई भी सदस्य एकल महिला (हाँ/नहीं)	सीएलएफ का नाम
1	हिड़में महिला स्व: सहायता समूह	-	बकुलाघाट	नहीं	नहीं	हाँ	नहीं	नहीं
2	बोलो महिला स्व: सहायता समूह	-	बकुलाघाट	नहीं	नहीं	हाँ	नहीं	नहीं
3	लच्छनदेई महिला स्व: सहायता समूह	-	बकुलाघाट	नहीं	नहीं	हाँ	नहीं	नहीं

पूर्व में सभी महिला समूह टुट गये है। क्योंकि समूह के सभी सदस्यों के लायक रोजगार की प्राप्ति नहीं हुई। तथा सभी समूह को उचित मार्गदर्शन की प्राप्ति नहीं हो रही थी। वर्तमान में समूह को सक्रिय करने का कार्य किया जा रहा है उनके द्वारा समय-समय पर बैठक, बचत, आजिविका में सुधार करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

आकांक्षाओं

- Visioning और योजना प्रक्रिया का सारांश।
- ग्रामीणों की आकांक्षा को साझा करते हुए यहां कुछ कथन उद्धृत किये जा सकते है।
- युवाओं, महिलाओं और कमजोर घरों की जरूरतों के बारे में विशेष उल्लेख।

अध्याय-4

1. योजना प्रक्रिया -

ग्राम पंचायत क्षेत्र में बी.आर.एल.एफ . (भारत ग्रामीण आजीविका फाउन्डेशन) योजना संचालन के लिए क्षेत्र में जागरूकता बैठक किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठक किया गया। महिला स्वः सहायता समूह के बैठक में योजना संचालन की जानकारी दिया गया । ग्राम पंचायत के ग्राम सभा में योजना की जानकारी सभी ग्राम वासियों को दिया गया। पी.आर.ए. गतिविधि के माध्यम से जमीन में रंगोली बनाकर समस्याओं का पहचान कर एवं समस्या के निदान के उपायो का चर्चा किया गया।

परियोजना का प्रारम्भ -

बी.आर.एल.एफ (भारत ग्रामीण आजीविका फाउन्डेशन) 2 अक्टूबर 2018 से हुआ है।

कर्मचारियों का प्रशिक्षण -

बी.आर.एल.एफ (भारत ग्रामीण आजीविका फाउन्डेशन) योजना से संबंधित प्रशिक्षण राज्य स्तर में रायपुर में किया गया है। सी.आर.पी. लोगो का प्रशिक्षण प्रदान कार्यालय तोकापाल जिला बस्तर में किया गया है। जनपद पंचायत छिन्दगढ़ में सचिवो रोजगार सहायको एवं तकनीकी सहायको का प्रशिक्षण किया गया है।

योजना प्रक्रिया -

बी.आर.एल.एफ (भारत ग्रामीण आजीविका फाउन्डेशन) कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर जल ग्रहण कार्यक्रम का संचालन किया जावेगा। पंचायत क्षेत्र में सिंचाई संसाधन की कमी को दूर करने के लिए मनरेगा के माध्यम से जल सवर्धन संरचनाओं का निर्माण कर सिंचाई रकबा में वृद्धि करना। क्षेत्र में हो रहे भूमि क्षरण को रोकने एवं वर्षा जल का समुचित उपयोग करने वृहद कार्यक्रम पंचायत क्षेत्र में चलाया जाना है। इसके अन्तर्गत मृद्धा संरक्षण, जल संवर्धन, वनीकरण महिला स्वः सहायता समूहो का मजबूती करण किया जाना है। कृषि क्षेत्र में उन्नत विधि से खेती कर किसानो की आय में वृद्धि करना तथा क्षेत्र में दूसरी फसल को बढ़ावा देना। कृषि कार्य के साथ-साथ पशुओ के रखरखाव पशु नस्ल सुधार, दूध उत्पादन, मुर्गी पालन, सुअर पालन, बकरी पालन, मछली पालन को बढ़ावा देना है।

ग्राम पंचायत क्षेत्र में धान फसल के बाद खुली चराई व्यवस्था है। जिसे धीरे-धीरे परिवर्तन कर गोबर से कम्पोस्ट खाद नाडेप टंकी के माध्यम से एवं वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाकर जैविक खेती को बढ़ावा देना है। क्षेत्र में सब्जी की खेती को भी बढ़ावा देना योजना का मुख्य उद्देश्य है। जिससे स्थानीय कृषको को नगद आमदनी हो सके।

कार्य योजना (व्यक्तिगत परिवार)

तालिका 19 : कार्य योजना (व्यक्तिगत परिवार)

क्र.	पैच का नाम	मालिक का नाम (निजी भूमि के मामले में दीदी का नाम भी उल्लेख करें।)	प्लॉट संख्या	क्षेत्र (एकड़ में)	भूमि संसाधन की प्रकृति	पैच में समस्याएं	प्रस्तावित भू-उपयोग	इंटरवैशन प्लान	प्रस्तावित संरचना अक्षांश देशान्तर	मजदूरी की लागत (Rs.)	गैर मजदूरी लागत (Rs.)	अनुमानित कुल लागत (Rs.)	अनुमानित मानव दिवस संख्या	अपेक्षित परिणाम
01	कलारपारा	महादेव/सोनू	01	2.50	टिकरा भूमि		मछली पालन कृषि के लिए	तालाब 100x100x1.5	18.55986 / 81.7333602					
02	कलारपारा	राम/सोनू	01	2.50	कृषि भूमि		मछली पालन कृषि कार्य	तालाब 100x100x1.5	18.552592 / 81.772612					
03	कलारपारा	सोनारू राम/लखमु	01	0.20	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	डबरी 20x20x1.55	18.55294 / 81.732612					
04	कलारपारा	दसोरा/नवल राम नेगी	01	2.50	मध्यम भूमि		मछली पालन एवं कृषि कार्य	तालाब 100x100x1.5	18.56309 / 81.730744					
05	कलारपारा	दसोरा/नवल राम नेगी	01	1.00	मध्यम भूमि		सिचाई एवं कृषि कार्य के लिए	तालाब गहरी करण 40x40x1.5	18.56309 / 81.73730744					
06	कलारपारा	समलू/सुखमन	01	1.00	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए एवं दैनिक उपयोग	तालाब गहरी करण 40x40x1.5	18.56124 / 81.733351					
07	कलारपारा	रामदेई/मानसिंह	01	0.10	मध्यम भूमि		कृषि कार्य एवं सिचाई के लिए	कुंआ						
08	कलारपारा	आसमन/रामबती	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
09	कलारपारा	कमला/मंगल	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
10	कलारपारा	सेना नाग/राधा	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
11	कलारपारा	महादेव/दूलारी	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						

							लिए							
12	क्लारपारा	रुजो /	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
13	क्लारपारा	ज्ञानधर / लच्छन्दई	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
14	क्लारपारा	बलिराम / सुशीला	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
15	क्लारपारा	रामचरण / सुखमन	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
16	क्लारपारा	ओका / हिरमा	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
17	क्लारपारा	रामा / आयतु	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
18	क्लारपारा	हडमा / हुंगा	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
19	क्लारपारा	मुका / हुंगा	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
20	क्लारपारा	हिरमा / वारे	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						
21	क्लारपारा	राकेश / हडमा	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ						

22	क्लारपारा	रामदई / मानसिंह	01	2.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुआं निर्माण	18.55011/81.7 27163					
23	क्लारपारा	सोमारू बघेल / लखमु	02	2.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुआं निर्माण	18.555587/81. 735316					
24	क्लारपारा	मुक्का मरकामी / हुंगा	01	0.20	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	खेत मरम्मत	18.559403/81. 735678					
25	क्लारपारा	सुखम नाग / समलु	01	2.50	मध्यम भूमि		खेती के लिए	तालाब निर्माण 100x100x1.5	18.553872/81. 732033					
26	क्लारपारा	लक्ष्मण / जयराम	02	1.00	मध्यम भूमि		खेती के लिए	खेत मरमत 40x40x1.5	18.555602/81. 728999					

27	क्लारपारा	कुशल / जयराम	01	1.00	मध्यम भूमि		खेती के लिए	खेत तालाब 40x40x1.5	18.555633/81. 728936					
28	क्लारपारा	हड़मा / हुंगा	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ	18.563052/81. 735763					
29	क्लारपारा	हड़मा / हिरिया	02	0.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	डबरी 20ग20ग1प5	18.559063/81. 72857					
30	क्लारपारा	सुखाई / मगन	01	0.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	डबरी 20ग20ग1प5	18.560887/81. 733238					
31	क्लारपारा	महादेव / सोनू	01	0.10	मध्यम भूमि		खेती के लिए	खेत तालाब 40ग40ग1प5	18.559912/81. 734432					
32	क्लारपारा	धनसाय / सोनू	02	0.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	डबरी 20ग20ग1प5	18.559909/81. 73364					
33	क्लारपारा	रामा दूधी / अल्लु	01	0.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	डबरी 20ग20ग1प5	18.54904/81.7 30912					
34	क्लारपारा	देवे दुधी / मुईया	01	0.10	मध्यम भूमि		खेती के लिए	खेत तालाब 40ग40ग1प5	18.552484/81. 739368					
35	क्लारपारा	हुंगाराम / भीमा कवासी	02	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ	18.555587/81. 735316					
36	क्लारपारा	दोका / हिरमा	01	0.10	मध्यम भूमि		खेती के लिए	खेत तालाब 40ग40ग1प5	18.552021/81. 73705					
37	क्लारपारा	हिरमा / वारें मुचाकी	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ	18.552642/18. 552021					
38	क्लारपारा	लच्छू बघेल / लखमु	02	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ	18.55629/81.7 24411					

39	क्लारपारा	कामा ओयामी / देवा	01	0.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	डबरी 20ग20ग1ण5	18.550592/81. 736289					
40	क्लारपारा	हिराधर नाग / जोगी	02	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ	18.558707/81. 73305					
41	क्लारपारा	दशोदा नेगी / नवल नेगी	01	0.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	डबरी 20ग20ग1ण5	18.56285/81.7 3058					
42	क्लारपारा	आसमन नाग / मगद नाग	01	0.10	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ	18.55127181.7 31016					
43	क्लारपारा	बलिराम नाग / वैसाकु नाग	02	2.50	मध्यम भूमि		सिचाई के लिए	कुंआ	18.551264/81. 728041					

क्र.	पैच का नाम	प्लॉट संख्या	क्षेत्र (एकड़ में)	भूमि संसाधन की प्रकृति	पैच में समस्याएं	प्रस्तावित भू-उपयोग	इंटरवैशन प्लान	प्रस्तावित संरचना का आक्षांश देशान्तर	मजदूरी की लागत	गैर मजूदरी लागत	अनुमानित कुल लागत	अनुमानित मानव दिवस संख्या
1	कलारपारा	01	2.50	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मछली पालन कृषि के लिए	ताला ब गहरी करण	18.55986 / 81.7333602				
2	कलारपारा	01	2.50	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मछली पालन कृषि कार्य	ताला ब गहरी करण	18.552592 / 81.772612				
3	कलारपारा	01	1.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिए	डबरी	18.55294 / 81.732612				
4	कलारपारा	01	2.50	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मछली पालन एवं कृषि कार्य	ताला ब	18.56309 / 81.730744				
5	कलारपारा	01	1.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई एवं कृषि कार्य के लिए	ताला ब गहरी करण	18.56309 / 81.73730744				
6	कलारपारा	01	2.50	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिए एवं दैनिक उपयोग	ताला ब गहरी करण	18.56124 / 81.733351				
7	कलारपारा	01	2.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य एवं सिंचाई के लिए	रिसन ताला ब					
8	कलारपारा	01	2.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	ताला ब गहरी					

							करण					
9	कलारपारा	01	8.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	रिसन तालाब					
10	कलारपारा	01	10.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी का कटाव रोकने एवं पानी के ठहराव हेतु	बोरी-बँधान					
11	कलारपारा	01	5.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	मेड़ बंदी					
12	कलारपारा	01	1.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिचाई के लिए	डबरी					
13	कलारपारा	01	2.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिचाई के लिए	तालाब					
14	कलारपारा	01	5.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिचाई के लिए	वृक्षारोपण					
15	कलारपारा	01	1.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिचाई के लिए	खेत तालाब					
16	कलारपारा	01	2.00	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	भूमि - समतलिकरण					

17	कलारपारा	01	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिचाई के लिए	खेत तालाब/रिसन तालाब					
18	कलारपारा	01	3.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	भूमि-समतलिकरण					
19	कलारपारा	01	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव एवं पानी ठहराव हेतु	पौध रोपन					
20	कलारपारा	01	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव एवं पानी ठहराव हेतु	LBS या (बोरी - बँधान)					
21	कलारपारा	01	2.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	मेड़ बंदी					
22	पटेलपारा	02	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिचाई के लिए	डबरी					
23	पटेलपारा	02	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव हेतु	सिचाई के लिये	खेत तालाब/रिसन	18.55011/ 81.727163				

							तालाब						
24	पटेलपारा	02	10.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	भूमि-समतलिकरण	18.555587/ 81.735316					
25	पटेलपारा	02	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव एवं अजीविका हेतु	पौधरोपन	18.559403/ 81.735678					
26	पटेलपारा	02	8.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव हेतु	LBS या (बोरी-बंधान)	18.553872/ 81.732033					
27	पटेलपारा	02	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	मेड़ बंदी	18.555602/ 81.728999					
28	पटेलपारा	02	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिये	खेत तालाब/रिसन तालाब	18.555633/ 81.728936					
29	बीजबेड़ा	03	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	भूमि-समतलिकरण	18.563052/ 81.735763					
30	बीजबेड़ा	03	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव एवं	पौधरोपन	18.559063/ 81.72857					

						अजीविका हेतु							
31	बीजबेड़ा	03	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव हेतु	LBS या (बोरी-बँधान)		18.560887/ 81.733238				
32	बीजबेड़ा	03	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	मेड़ बंदी		18.559912/ 81.734432				
33	बीजबेड़ा	03	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिये	डबरी		18.559909/ 81.73364				
34	बीजबेड़ा	03	2.50	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिये	तालाब		18.54904/ 81.730912				
35	बीजबेड़ा	03	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	भूमिगत जलसर्वधन हेतु	रिसन तालाब		18.552484/ 81.739368				
36	बीजबेड़ा	03	0.50	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिये	खेत तालाब		18.555587/ 81.735316				
37	बीजबेड़ा	03	10.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	भूमि-समतलिकरण		18.552021/ 81.73705				
38	बीजबेड़ा	03	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिये	खेत तालाब/रिसन तालाब		18.552642/ 18.552021				
39	बीजबेड़ा	03	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	भूमि-समतलिकरण		18.55629/ 81.724411				
40	बीजबेड़ा	03	6.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव एवं अजीविका हेतु	पौधरोपन		18.550592/ 81.736289				

41	बीजबेड़ा	03	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव हेतु	LBS या (बोरी-बँधान)	18.558707/ 81.73305				
42	बीजबेड़ा	03	5.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	कृषि कार्य हेतु	मेड़ बंदी	18.56285/ 81.73058				
43	बीजबेड़ा	03	2.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	भूमिगत जलसर्वधन हेतु	रिसन तालाब	18.551271/ 81.731016				
44	बीजबेड़ा	03	1.00	मध्यम भूमि	मिट्टी कटाव, पानी का ठहराव नहीं	सिंचाई के लिये	तालाब	18.551264/ 81.728041				
45	पखनामुंडा	0.20	5-6 मी	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव एवं पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी का कटाव रोकने एवं पानी की गति को कम करना।	बोल्डर चेक निर्माण					
46	पखनामुंडा	0.20	5-6 मी	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव एवं पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी का कटाव रोकने एवं पानी की गति को कम करना।	बोल्डर चेक निर्माण					
47	पखनामुंडा	0.20	5-6 मी	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव एवं पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी का कटाव रोकने एवं पानी की गति को कम करना।	बोल्डर चेक निर्माण					
48	पखनामुंडा	0.25	5-6 मी	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव एवं पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी का कटाव रोकने	बोल्डर चेक निर्माण					

						एवं पानी की गति को कम करना।						
49	पखनामुंडा	0.25	5-6 मी	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव एवं पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी का कटाव रोकने एवं पानी की गति को कम करना।	बोल्डर चेक निर्माण					
50	पखनामुंडा	0.25	5-6 मी	टिकरा भूमि	मिट्टी कटाव एवं पानी का ठहराव नहीं	मिट्टी का कटाव रोकने एवं पानी की गति को कम करना।	बोल्डर चेक निर्माण					

कार्य योजना (सामान्य भूमि)
तालिका 20 कार्य योजना (सामान्य भूमि)

2. योजना का सारांश
तालिका 21: योजना का सारांश

क्र.	भूमि का प्रकार	प्रस्तावित गतिविधि	उपचार का प्रस्तावित क्षेत्र (Ha)	क्यूबिक मीटर में पानी की मात्रा	पानी की प्रस्तावित जलग्रहण क्षमता (Ha-mt)
------	----------------	--------------------	----------------------------------	---------------------------------	---

1	वन भूमि	बोल्डर चेक, (LBS) अरदन चेक, कन्दूर ट्रेंच, कन्दूर बँडिंग, तालाब	50	254750	25.4750
2	अपलैंड	प्लांटेशन	32	125459	12.5459
		मेड़बन्धी /डबरी/खेत तालाब/कुआ			
		समतलीकरण			
3	होमस्टेड				
4	मीडियम अपलैंड/तराई	खेत तालाब/रिसन तालाब	82.00	384834.09	38.4834
		भूमि-समतलीकरण			
		पौधरोपन एवं 30-40			
		LBS या (बोरी-बँधान)			
		मेड़ बन्दी			
		डबरी			
		तालाब			
5	मध्यम तराई				
6	निम्न भूमि	खेत तालाब	26.50	143599	14.3599
		भूमि-समतलीकरण			
		पौधरोपन एवं 30-40			
		LBS या (बोरी-बँधान)			
		मेड़ बन्दी			
		डबरी			
		तालाब			
7	ड्रेनेज लाइन उपचार	बोल्डर चेक (LBS) /बोरी बंधान/अरदन चेक/ट्रेंच/पौध रोपण			
		जंगल है 8-10 % स्लोप है			
8	नदी का उपचार	स्टाप डेम/चेक डेम			
प्रस्तावित संरचनाओं की जल संचयन क्षमता					90.8642
Ha.Mt में माइक्रो वाटरशेड कार्यक्रम के माध्यम से अतिरिक्त जल संचयन की आवश्यकता (जल बजट तालिका से गणना)					110.8593
प्रस्तावित MWS कार्यक्रम के माध्यम से पानी की पूरा हुआ आवश्यकता का प्रतिशत					157%

3. सबसे Vulnerable Household के लिए योजना

- परिवारो की संख्या स्थिति और योजना निकल्प।
- भेद्यता की प्रकृति का उल्लेख करें। सहन करने का तंत्र

- आवश्यक Interventions

तालिका 22: Vulnerable Household के लिए योजना

क्र.	घर के मुख्य सदस्य का नाम	पिता/पत्नी का नाम	वर्तमान आजीविका के स्रोत	समस्याएं	इंटरवेंशन प्लान	अनुमानित कुल लागत	अनुमानित मानव दिवस संख्या	मजदूरी की लागत	गैर मजदूरी लागत	धन स्रोत/लाइन विभाग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	भोलू नाग	मंगल सिंह	मजदूरी	परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण	मुर्गी पालन	60000.00	50-60	20000.00	40000.00	पशुपालन विभाग
2	लच्छिन्दर	सोनाधर	मजदूरी		बकरी पालन	100000.00	50-60	30000.00	70000.00	
3	कुर्सी कलप	लच्छिन्दर कलप	मजदूरी		सुअर पालन	100000.00	50-60	30000.00	70000.00	
4	मंगलदई नाग	स्व. सुकालो नाग	मजदूरी		बतख पालन	60000.00	50-60	20000.00	40000.00	
5	मंगल	महोदव बघेल	कोचिया		मुर्गी पालन	60000.00	50-60	20000.00	40000.00	
6	लच्छू बघेल	लखमु बघेल	मजदूरी		बकरी पालन	100000.00	50-60	30000.00	70000.00	

- समय योजना (वित्त वर्ष 2019-2023)
- वित्त वर्ष 2019-20 (प्रथम वर्ष) के लिए योजना

अध्याय-5

इस कार्यक्रम से अपेक्षित परिणामों का वर्णन

तालिका 23: अपेक्षित परिणाम

उपचारित क्षेत्रफल

बकुलाघाट मेगा वाटरशेड के अंतर्गत उपरी जमीन, मध्य जमीन और निचली जमीन को मिलकर कुल 184 हेक्टेयर भूमि उपचारित होगी जिसमें उपर से लेकर नाला तक हर जगह पर संरचनाये बनाई जाएगी जो आगे चलकर पानी के तेज बहाव को रोकेगी और जमीन के वाटर लेवल को ऊपर उठाएगा और भूमि को उपजाऊ बनाएगी।

लाभान्वित परिवार-

बकुलाघाट पंचायत के रहने वाले 249 परिवार इस क्या योजना से सीधा प्रभावित होंगे जिससे इन सभी परिवारों के यहाँ आजीविका के साधनों के साथ आय में भी वृद्धि होगी

अपेक्षित परिणाम (प्रति परिवार आय में वृद्धि)

बकुलाघाट ग्राम में सभी परिवार की आर्थिक स्थिति देखते हुए सालाना आय से दुगुनी आय वृद्धि होने की सम्भावना ही जिससे हर परिवार की 35 हजार से 45 हजार तक आय वृद्धि होगी और मेगा वाटरशेड प्रोग्राम के कारण आने वाले 4 सालों में यह आय हर परिवार में दिखाई देगा।

योजना में मौजूद सदस्यों की सूची:

सरपंच- श्री कोसाराम

सचिव- श्री भीमा पोयाम

रोजगार सहायक- श्री लैखन बघेल

स्व. सहायता समूह और मातारानी ग्राम संगठन के सदस्य

ग्राम मित्र -

जय किसान जय जवान

अनुबंध

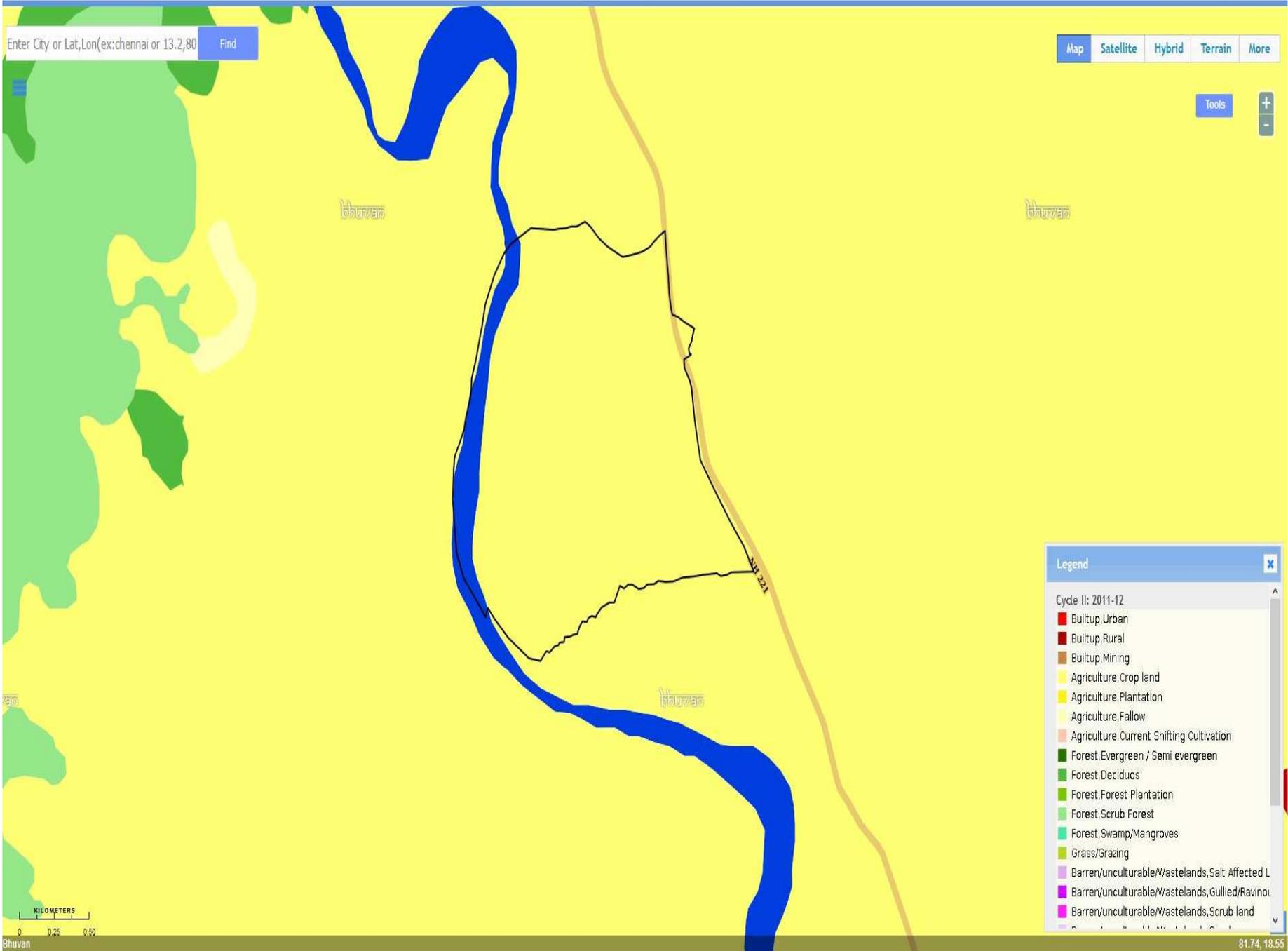
विभिन्न मानचित्र –

1. सामाजिक मानचित्र ।
2. संसाधन मानचित्र ।
3. स्थलाकृतिक मानचित्र
4. वर्तमान भूमि उपयोग मानचित्र
5. मृदा क्षरण मानचित्र ।
6. मैक्रो, माइक्रो कोड के साथ वाटरशेड मैप ।
7. समस्या मानचित्र ।
8. प्रस्तावित गतिविधि मानचित्र ।
9. ढलान/इलाके का नक्शा ।
10. अपशिष्ट भूमि का नक्शा ।
11. जियोमॉर्फॉलोजिकल मैप ।
12. भूजल संभावनाएं ।
13. कैडस्ट्रल मैप/नक्शा-खसरा

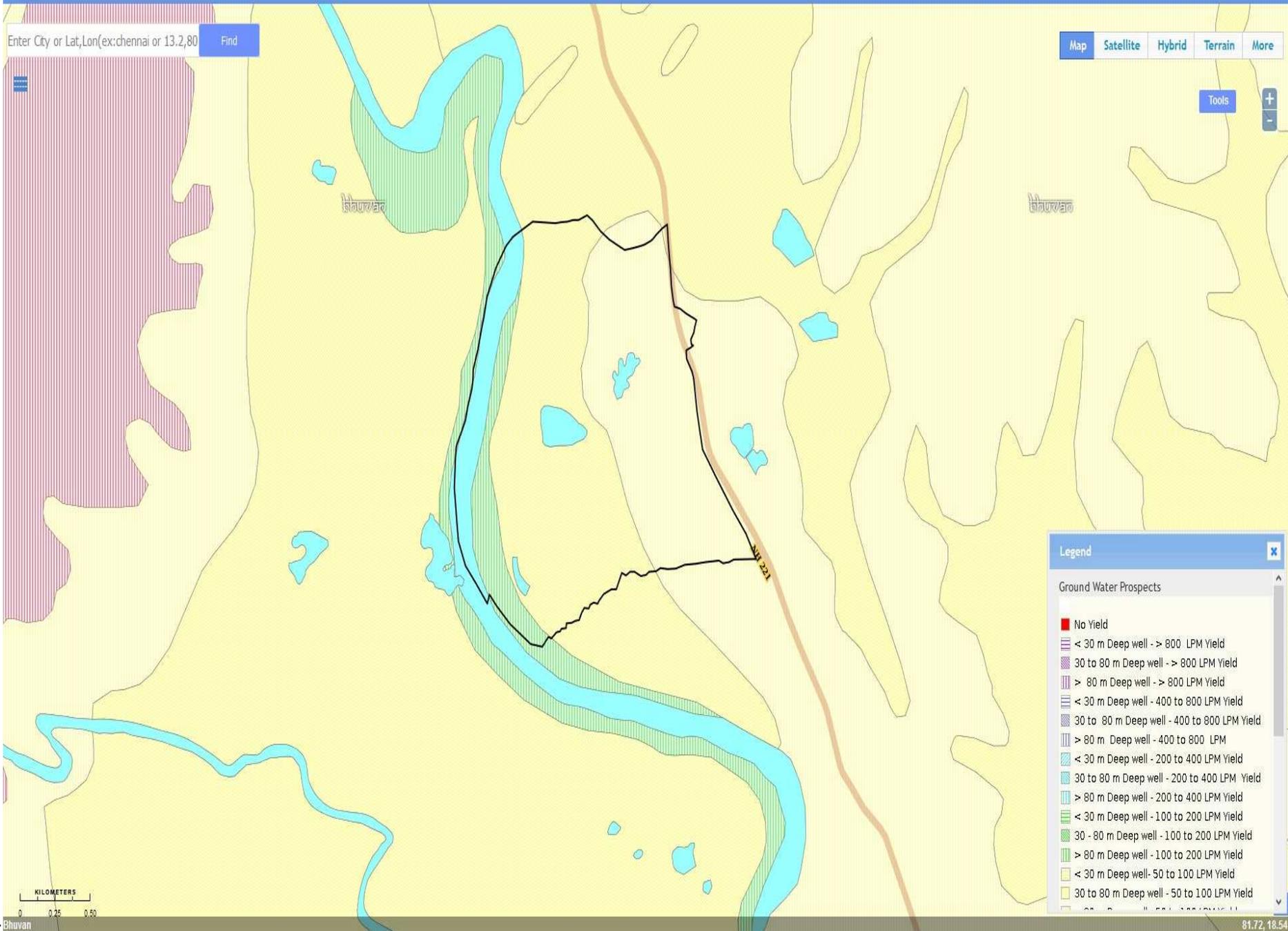


Bakulaghat.

Enter City or Lat,Lon(ex:chennai or 13.2,80)



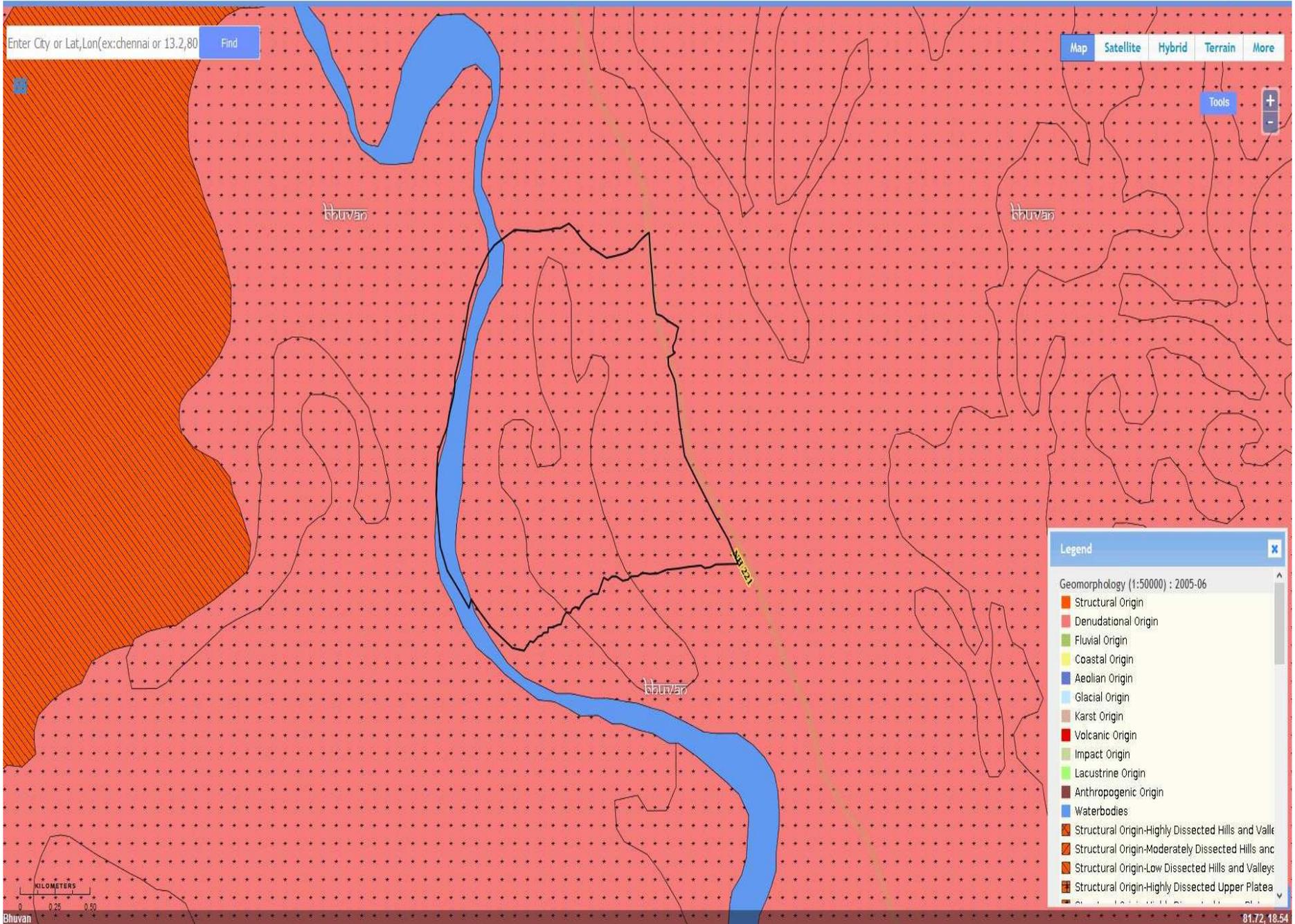
Enter City or Lat, Lon(ex: chennai or 13.2,80)

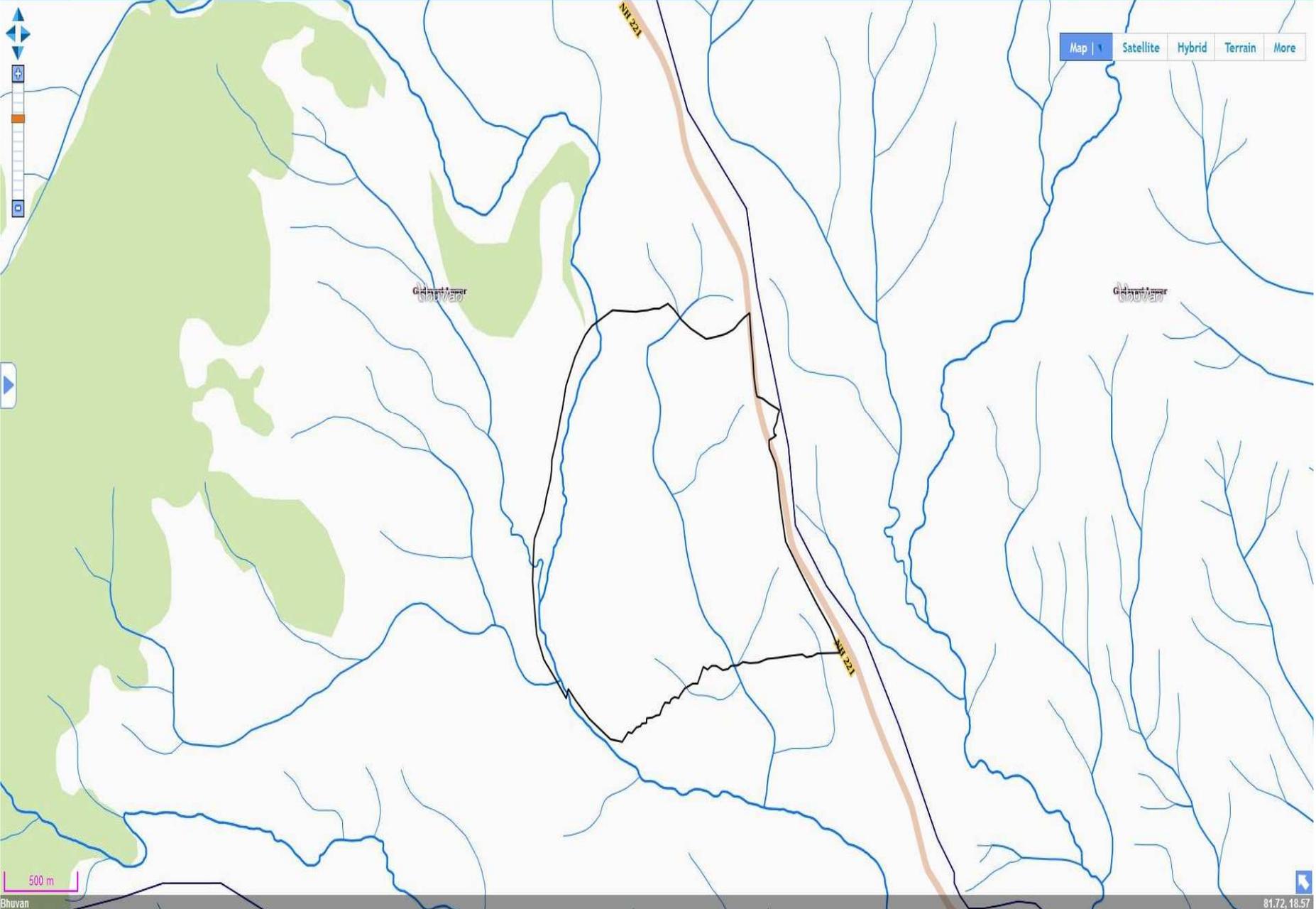


Legend

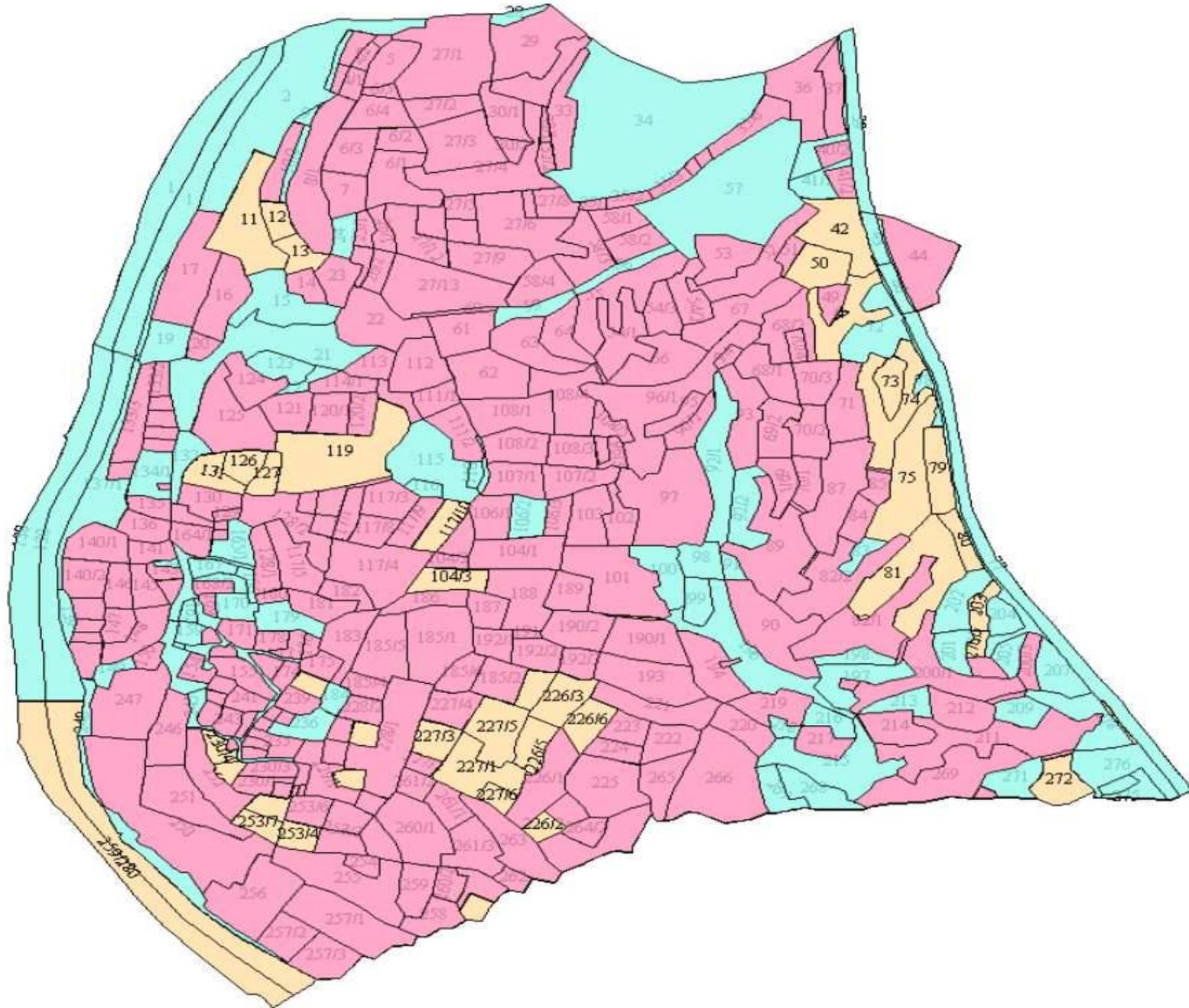
Ground Water Prospects

- No Yield
- 30 to 80 m Deep well - > 800 LPM Yield
- > 80 m Deep well - > 800 LPM Yield
- < 30 m Deep well - 400 to 800 LPM Yield
- 30 to 80 m Deep well - 400 to 800 LPM Yield
- > 80 m Deep well - 400 to 800 LPM
- < 30 m Deep well - 200 to 400 LPM Yield
- 30 to 80 m Deep well - 200 to 400 LPM Yield
- > 80 m Deep well - 200 to 400 LPM Yield
- < 30 m Deep well - 100 to 200 LPM Yield
- 30 - 80 m Deep well - 100 to 200 LPM Yield
- > 80 m Deep well - 100 to 200 LPM Yield
- < 30 m Deep well - 50 to 100 LPM Yield
- 30 to 80 m Deep well - 50 to 100 LPM Yield





Bakulaghat.



Bakulaghat.

